बी.एच.डी.सी.–132

बी.ए. कार्यक्रम
(BAM)

सत्रीय कार्य
(जनवरी 2025 तथा जुलाई 2025 सत्र के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.सी.–132
मध्यकालीन हिंदी कविता

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110068

मध्यकालीन हिंदी कविता
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.सी.–132/2025

प्रिय छात्र/छात्राओं,

'कार्यक्रम दर्शिका' में बताया गया है कि हिन्दी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम–3 में आपको एक सत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। इस पाठ्यक्रम में हिंदी साहित्य के इतिहास और विकास के साथ–साथ साहित्य के अंगों से आपको परिचित कराया गया है। इस अध्ययन से आप हिंदी साहित्य के इतिहास और विकास को तो जानेंगे ही साथ ही आप साहित्य के विविध अंगों जैसे रस, शब्द–शक्ति, छंद, अलंकार आदि से भी परिचित हो सकेंगे। सत्रीय कार्य से आप स्वयं यह जान सकेंगे कि आपने विषय को कितना समझा है।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।

2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

3. बाई ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और उस अध्ययन केंद्र का नाम/कोड लिखिए

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक : .....
नाम : .....
पता : .....
.....
दिनांक : .....

पाठ्यक्रम शीर्षक : .....
सत्रीय कार्य कोड : .....
अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

---

4. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के क़ागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।

5. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।

6. सत्रीय कार्य पूरा करके इसे जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के समन्वयक (Coordinator) के पास जमा कराएं।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि :
जुलाई, 2024 सत्र में नामांकित विद्यार्थी **31 मार्च, 2025** तक
जनवरी, 2025 सत्र में नामांकित विद्यार्थी **30 सितम्बर, 2025**

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। लंबे निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 700–800 शब्दों में लिखने हैं तथा दूसरी श्रेणी के प्रश्न टिप्पणीपरक हैं जिन्हें दिए गए विषय पर 250–300 शब्दों में उत्तर लिखना है।

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास** : अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार का विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
ग) उत्तर सही ढंग से लिख गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,
घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसको साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर ज़ोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

4. **विशेष** : अपने उत्तर की फोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं सहित!

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हिंदी साहित्य : विविध विधाएँ
सत्रीय कार्य
(संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.सी.–132/बी.ए.एम.
सत्रीय कार्य कोड : बी.एच.डी.सी.–132/टी.एम.ए/25
कुल अंक 100

नोट : सभी प्रष्न अनिवार्य है। 10 अंक के प्रष्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में तथा 5 अंक के प्रष्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए। शेष प्रष्नों के उत्तर दिए गए निर्देषों के आधार पर दीजिए।

खंड–क

निम्नलिखित प्रष्नों के उत्तर लगभग 800 शब्दों में दीजिएः

1. सगुण भक्ति काव्य की सामान्य विषेषताएं कौन सी है? 10
2. रीतिकाव्य के नामकरण पर प्रकाष डालिए। 10
3. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिए : 5×3 = 15
   (क) वीरकाव्य
   (ख) कबीर के राम
   (ग) रविदास का जीवन कर्म

खंड–ख

4. कबीर की भाषा और काव्य सौंदर्य पर प्रकाष डालिए। 10
5. भक्तिकाल में रविदास का स्थान निर्धारित कीजिए। 10
6. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिएः 5×3 = 15
   (क) जायसी के काल में लोकजीवन
   (ख) गीतिकाव्य धारा

खंड–ग

7. जायसी की भाषा और काव्य सौंदर्य पर प्रकाष डालिए। 10
8. मीरा और आंडाल की भक्ति भावना का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए। 10
9. निम्नलिखित पद्यांष की संदर्भ सहित व्याख्या लगभग 300 शब्दों में कीजिएः 10

   गढ़ तस बाँक जैसि तोरि काया। परखि देखु तै ओहि की छाया।।
   पाइअ नाहिं जूझ हठि कीन्हें जेइँ पावा तेइँ आपुहि चीन्हें।।
   नौ पौरी तेहि गढ़ मँझिआरा।
   औ तहँ फिरहिं पाँचकोटवारा दसवँ दुआर गुपुत एक नाँकी अगम चढ़ाव बांट सठि बाँकी।।
   भेदी कोई जाइ ओहि घाटी।
   जो लै भेद चढ़ै होइं चांटी।।